

वर्श्व मानसकल सवास्थय दवलस 2024

[सुरलत: पीआईबी](#)

10 अकतूबर, को [वर्श्व मानसकल सवास्थय दवलस \(WMHD\) 2024](#) मनाया गया, जसलमे हाल ही में कारयस्थल पर हुई आतमहतयाओं की ओर धयान आकरषतल कया गया, जो मानसकल सवास्थय पर रोजगार से संबंघतल तनाव के महत्त्वपूरण प्रभाव को उजागर करती हैं, यहाँ तक क उन लोगों में भी जो बाहरी रूप से सफल दखलाई देते हैं ।

- **WMHD 2024 की थीम है-** कारयस्थल पर मानसकल सवास्थय ।
- **पृषठभूमल:** WMHD की शुरुआत सबसे पहले वर्ष 1992 में वर्श्व मानसकल सवास्थय महासंघ (WFMH) द्वारा की गई थी ।
 - WHO द्वारा आयोजतल WMHD का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना, मानसकल सवास्थय शकलषा को बढ़ावा देना, तथा व्यक्तयों और समुदायों के लयल मानसकल कलयाण के महत्त्व पर ज़ोर देना है ।
 - मानसकल बीमारी के उदाहरणों में **अवसाद, चतल वकलर, सज्जोफ़रेनया,** भोजन संबंघी वकलर और व्यसनकारी व्यवहार शामिल हैं ।
- **सांख्यकी:** [आर्थकल सरवेकषण 2023-24](#) में मानसकल सवास्थय पेशेवरों की संख्या बढ़ाने और मानसकल सवास्थय सेवाओं में सुधार की आवश्यकता पर बल दयाा गया है ।
 - **राषट्रीय मानसकल सवास्थय सरवेकषण (NMHS) 2015-16** के अनुसार , भारत में 10.6% वयस्क लोग मानसकल वकलर यानी मेंटल डसिऑर्डर के शकलर हैं । जबकल मानसकल सवास्थय वकलर और अन्य वभिन्न वकलरों के बीच उपचार में 70% तथा 92% का अंतराल है ।
- **सरकारी पहल:**
 - [जलल मानसकल सवास्थय कारयकरम \(DMHP\)](#)
 - [नेशन टेली मेंटल हेल्थ प्रोगराम \(NTMHP\)](#)
- **मानसकल सवास्थय पर नीतगत सफलरशें:**
 - मनोचकलतलसकों की संख्या को **0.75 मनोचकलतलसकों** से बढ़ाकर वर्श्व **सवास्थय संगठन के नयलम के अनुसार प्रतललाख जनसंख्या के लयल 3 मनोचकलतलसक** तक पहुँचाने के प्रयासों में वृद्धल ।
 - वकलरों की शीघ्र पहचान के लयल स्कूल जाने से पहले यानी आंगनवाड़ी स्तर पर मानसकल सवास्थय के प्रतलसंवेदनशीलता बढ़ाना ।

और पढ़ें: [भारत में मानसकल सवास्थय पहल](#)